Computer Proficiency Certification Test

Notations :

1.Options shown in green color and with ✔ icon are correct.

2.Options shown in red color and with ✖ icon are incorrect.

Question Paper Name:	Inscript 18th Sep 2016 Shift 2
Subject Name:	Inscript
Creation Date:	2016-09-18 17:19:41
Duration:	25
Calculator:	None
Magnifying Glass Required?:	No
Ruler Required?:	No
Eraser Required?:	No
Scratch Pad Required?:	No
Rough Sketch/Notepad Required?:	No
Protractor Required?:	No

Mock

Group Number :	1
Group Id :	23947225
Group Maximum Duration :	10
Group Minimum Duration :	10
Revisit allowed for view? :	No
Revisit allowed for edit? :	No
Break time:	1
Mandatory Break time:	Yes
Group Marks:	0

Hindi Typing Test

Section Id :	23947233
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0
Display Number Panel:	Yes
Group All Questions:	No

Sub-Section Number:	1
Sub-Section Id:	23947233
Question Shuffling Allowed :	No

Question Number : 1 Question Id : 239472175 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes

बहुत समय पहले की बात है हिमालय के जंगलो में एक बहुत ताकतवर शेर रहता था। एक दिन उसने बारासिंघे का शिकार किया और खाने के बाद अपनी गुफा को लौटने लगा। अभी उसने चलना शुरू ही किया था कि एक सियार उसके सामने दंडवत करता हुआ उसके गुणगान करने लगा।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted
Paragraph Display: Yes
Evaluation Mode: Non Standard
Keyboard Layout: Inscript

Actual

Group Number :	2
Group Id :	23947226
Group Maximum Duration :	15
Group Minimum Duration :	15
Revisit allowed for view? :	No
Revisit allowed for edit? :	No
Break time:	0
Mandatory Break time:	No
Group Marks:	0

Hindi Typing Test

Section Id :	23947234
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0
Display Number Panel:	Yes
Group All Questions:	No

Sub-Section Number:	1
Sub-Section Id:	23947234
Question Shuffling Allowed :	No

Question Number : 2 Question Id : 239472176 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes

आज दफ्तर खुलते ही जो बेचैनी नजर आई वह इस दफ्तर के लिए नई थी। बेचारा दफ्तर परेशान था, उसे समझ नहीं आ रहा था कि आज इन सब को क्या हो गया है। बडे साहब से ले कर चपरासी तक सब बेचैन, उदास घबराए-से क्यों हैं। उसे कुछ भी समझ नहीं आ रहा था। अंत में हारकर उस ने आंगन में खडे आम के पुराने पेड से पूछा। शायद उसे कुछ पता हो, पर वह इन नए छोकरों की अजीब बातों से परेशान था। उसने भी अपना सिर खुजलाया जिस का मतलब था कि इस बेचैनी का कारण उसे भी पता नहीं। किस से पूछा जाए, शायद फाटक को पता हो, पर तभी आंगन से कुछ बातचीत की आवाजें आने लगीं, 'पर अंत में छोटे बाबू ने आत्महत्या की क्यों।' कोई पूछ रहा था। 'अच्छा तो यह बात थी, बहुत बुरा हुआ।' दफ्तर ने सोचा और बात-बात में यह खबर दीवारों, दरवाजों, चिकों, पर्दों से होती हुई दफ्तर में चारों ओर फैल गई। छोटे बाबू की आकस्मिक और करूणाजनक मृत्यु के कारण शोक छाया हुआ था। प्रत्येक व्यक्ति अपनी समझ के अनुसार उनकी आत्महत्या का कारण बता रहा था। बडे साहब कह रहे थे, 'अगर ऐसी बात थी तो उन्होंने मुझे कहा क्यों नहीं। मैं उनकी तनख्वाह जरूर बढा देता।' सुनने वाले एक वही ठेकेदार साहब थे जो अपने किसी ठेके के सिलसिले में दफ्तर में आए थे। बोले, 'साहब यह रूपए-पैसे की तंगी बुरी चीज है, पर उन्होंने तो किसी से कुछ कहा ही नहीं, मुझे ही कह देते तो दो-चार हजार का इंतजाम तो मैं ही कर देता।' 'कहो भाई, क्या खबर लाए।' बडे साहब ने फाटक में से आते हुए एक आदमी से पूछा। 'बहुत बुरा हाल है, बेचारी छोटे बाबू की वाइफ ने तो रो-रो कर बुरा हाल कर रखा है, घर में जमा पूंजी भी नहीं है जो क्रिया-कर्म का प्रबंध किया जाए। यह कंगन दी हैं, बेचने के लिए' उस आदमी ने कहा। 'अजी, अब रोने-धोने से क्या होता है, उम्र भर तो छोटे बाबू के कान खाती रही - यह ला दो, वह ला दो और सच तो यह है...' पास खडे एक अन्य व्यक्ति ने कहा, पर बीच में ही आने वाले व्यक्ति ने टोका। 'पता नहीं साहब, वह तो मुझसे कह रही थी कि इतने सीधे आदमी थे कि खुद ही सब सामान ला दिया करते थे, मुझे कुछ कहने की जरूरत ही नहीं होती थी।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted
Paragraph Display: Yes
Evaluation Mode: Non Standard
Keyboard Layout: Inscript